सांध्य दैनिक

4PM

जो हमारी निंदा करता है, उसे अपने अधिकाधिक पास ही रखना चाहिए। वह तो बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बता कर हमारे स्वभाव को साफ करता है।

-कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 187 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 12 अगस्त, 2025

एशिया कप में खेल सकते हैं... 7 | बिहार में चुनावी आहट, उठी सियासी... 3 | चुनाव में गड़बड़ी करने वाले निलंबित... 2

एसआईआर पर चर्चा की मांग पर फिर अड़ा विपक्ष

संसद के दोनों सदनों में हंगामा जारी

- लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही टली
- जस्टिस वर्मा को हटाने के प्रस्ताव को लोस की मंजूरी
- स्पीकर ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई। उधर इन सबके बीच लोक सभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए अध्यक्ष ओम बिरला तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है।

इससे पहले प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के सांसद मकर द्वार पर मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे। विपक्ष का दावा है कि मिंता देवी बिहार चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर हैं। विपक्ष के हंगामे के कारण विधेयकों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। सोमवार को भी बिना चर्चा के 8 विधेयक बिना बहस के ही पास हो गए। लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल, इनकम टैक्स (नंबर 2) बिल और टैक्सेशन लॉ (संशोधन) बिल पास हुआ। राज्यसभा में गोवा में अनुसूचित जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्संयोजन से जुड़ा बिल, मर्चेंट शिपिंग बिल, मणिपुर विनियोग बिल और मणिपुर जीएसटी (संशोधन) बिल पास किए गए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव पैनल की रिपोर्ट की समय सीमा बढ़ी

लोकसभा ने मंगलवार को एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट की समय सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस विस्तार से समिति 2025 के शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगी। यह प्रस्ताव एक राष्ट्र, एक चुनाव समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने पेश किया। उन्होंने सदन से आग्रह किया कि संयुक्त संसदीय समिति को संविधान (एक सौ उनतीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश विधियाँ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए। यह विधेयक पहली बार दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किया गया था और बाद में विस्तृत जाँच के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा गया था। प्रस्ताव में कहा गया था, यह सदन संविधान (एक सौ उनतीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश विधियाँ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाकर शीतकालीन सत्र, 2025 के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक करे।

स्पीकर ओम बिरला ने घोषित किए सदस्यों के नाम

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के मामले में जांच कमेटी की घोषणा हो गई है। इस मामले में तीन सदस्यों की समिति का गठन किया गया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस कमेटी के सदस्यों के नामों की घोषणा की। समिति में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के एक-एक जज और एक कानूनविद शामिल होंगे। ओम बिरला ने कहा कि कमेटी में सुप्रीम कोर्ट के जज अरविंद कुमार, मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस मनिंदर मोहन और कर्नाटक हाई कोर्ट के सीनियर एडवोकेट बीवी आचार्य शामिल हैं। सदस्यों के नामों की घोषणा से पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के तहत हाई कोर्ट के जज के पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस वर्मा को उनके कदाचार के लिए जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव मिला था। बिरला ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के जज वर्मा के खिलाफ शिकायत को उच्च प्रवृति का पाया गया। ऐसे में उक्त न्यायाधीश को हटाने के लिए कार्रवाई करने की जरूरत है।

केंद्रीय निर्वाचन आयोग बना भाजपा का एक विभाग : मणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि राजीव कुमार और ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में केंद्रीय निर्वाचन आयोग भाजपा का एक विभाग बन गया है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए आरोप लगाया, ''मिंता देवी पहली बार मतदाता बनी हैं और उनकी उम्र 124 साल है। मतदाता सूची में उनका नाम पहली बार मतदाता के रूप में दर्ज है। हम ऐसे मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं। निर्वाचन आयोग भाजपा की पार्टी कैसे बन गया है? मतदाता सूची इस तरह के फर्जीवाड़े से भरी हुई है। सांसदों ने निर्वाचन आयोग और सरकार के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए पोस्टरों के साथ-साथ ''स्टॉप एसआईआर' और 'वोट चोरी' लिखे पोस्टर भी लिए हुए थे।

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन, सफेद टी-शर्ट पहनकर जताया विरोध

बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद के खिलाफ मंगलवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया'(इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के कई सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। इनमें से कई सांसदों ने सफेद टी-शर्ट पहनी हुई थी, जिस पर राज्य की मतदाता सूची में कथित तौर पर शामिल '124 वर्षीय एक मतदाता' का नाम अंकित था। मिंता देवी उन मतदाताओं में से एक थीं जिनका ज़िक्र कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित मतदाता धोखाधड़ी के

मुद्दे पर दिए गए प्रेजेंटेशन में किया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि 124 वर्षीय मिंता देवी हाल ही में जारी बिहार की मसौदा मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाता हैं। मसौदा सूची में मिंता देवी की उम्र 124 वर्ष दर्ज है, जो दुनिया के सत्यापित सबसे बुज़ुर्ग व्यक्ति से नौ साल ज़्यादा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ'ब्रायन, द्रमुक के टीआर बालू, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, साथ ही वामपंथी दलों एवं अन्य विपक्षी दलों के सदस्य संसद के मकर द्वार के पास एकत्र हुए। उन्होंने हाथों में पोस्टर लिए हुए थे और नारे लगाते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को वापस लेने की मांग की। यह विपक्षी दलों के सांसदों के संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन का 15वां दिन है। प्रदर्शनकारी सांसदों के सामने लगाए गए एक बैनर पर लिखा था ''हमारा वोट, हमारा अधिकार, हमारी लड़ाई।

केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए : अभिषेक बनर्जी

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची में त्रुटियाँ हैं, तो पूरी लोकसभा और केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के चुनाव के लिए इसी सूची का इस्तेमाल किया गया था। बनर्जी ने चुनाव आयोग पर कथित मतदाता सूची विसंगतियों पर सवालों से बचने का आरोप लगाया और गुजरात और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाताओं के उदाहरण दिए।

चुनाव में गड़बड़ी करने वाले निलंबित हों : अखिलेश

भाजपा जनता से वोट देने का अधिकार छीनना चाहती है

» बोले-उपचुनाव में भी सरकार ने अधिकारियों के सहारे वोट की लूट की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव आयोग को 18 हजार वोट कटने पर शपथपत्र दिया था। उपचुनाव में जो वोटों की लूट हुई, उसकी जानकारी दी थी। चुनाव आयोग बताए कि क्या कार्यवाही हुई। गड़बड़ी में शामिल तमाम जिला अधिकारियों को निलंबित किया जाए।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि चुनाव संबंधी मसलों पर समयबद्ध कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पर पहली बार उंगली नहीं उठ रही है। कई बार उंगली उठ चुकी है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव में भी सरकार ने अधिकारियों के सहारे वोट अखिलेश यादव ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। उम्मीद है कांग्रेस पार्टी उन तमाम अधिकारियों के खिलाफ जो वोट चोरी में शामिल रहे है, कार्रवाई करेगी। कर्नाटक में वोट चोरी और मतदान में गड़बड़ी के जो आरोप लगे है, उनकी जांच होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में जनता भाजपा के खिलाफ वोट न डाल सके, इसलिए भाजपा जनता से वोट देने का अधिकार छीनना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। उम्मीद है कांग्रेस पार्टी उन तमाम अधिकारियों के खिलाफ जो वोट चोरी में शामिल रहे है, कार्रवाई करेगी। कर्नाटक में वोट चोरी और मतदान में गड़बड़ी के जो आरोप लगे है, उनकी जांच होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में जनता भाजपा के खिलाफ वोट न डाल सके, इसलिए भाजपा जनता से वोट देने का अधिकार छीनना चाहती है।

अखिलेश को हिरासत में लेने पर भड़के सपाई

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को वोट चोरी मामले में सरकार के खिलाफ विरोध करते समय दिल्ली में पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसके विरोध में सैकड़ों सपा कार्यकर्ताओं ने सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व अजय कुमार सिंह को सौंपा। समाजवादी पार्टी के विरोध प्रदर्शन की सूचना पर सीओ सिटी विवेक जावला, शहर कोतवाल नीरज पाठक फोर्स के साथ पहुंचे। मांग किया कि बिहार के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कथित धांधली की जांचकर दोषियों की गिरफ्तारी व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को रिहा किया जाए। सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वोटर लिस्ट संशोधन के मुद्दे पर संसद भवन से चुनाव आयोग तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिसकर्मियों ने आगे जाने से रोका। वह धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ये सब भाजपा के इशारे पर किया जा रहा है।

राहुल और अखिलेश राजतंत्र के प्रतीक : केशव

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सत्ता के लंबे वियोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की छटपटाहट बढ़ा दी है। यह छटपटाहट 2047 तक ऐसे ही बरकरार रहने वाली है। दोनों नेताओं में जनता का कोई भरोसा नहीं है, क्योंकि दोनों राजतंत्र के प्रतीक हैं। ये जनता जनार्दन का मानमर्दन कर लंबे समय तक सत्ता को भोगते रहे हैं। जब जनता ने इनकी राजशाही का चोला उतारकर लोकतंत्र के प्रतीक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में भरोसा जताया तो इन्होंने लोकतंत्र के विरुद्ध ही मोर्चा खोल दिया है।

दिल्ली में नहीं रहा कानून का राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा

» सांसद की चेन छीनने के बाद अब सेना के नायक की चेन झपटी

नई दिल्ली । दिल्ली के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले एंबेसी इलाके चाणक्यपुरी में आपराधिक वारदातें थम नहीं रही हैं। कांग्रेस की महिला सांसद के साथ झपटमारी की वारदात के बाद अब भारतीय सेना के नायक के गले से बुलेट पर सवार दो युवकों ने सोने की झपट ली। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर झपटमारों की तलाश कर रही है।

उधर इसको लेकर सियासी पारा भी चढ़ गया। कांग्रेस व आप समेत कई सियासी दलों ने कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। नई दिल्ली जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार नई पुलिस ने चाणक्यपुरी से लेकर राजौरी गार्डन व विकासपुरी तक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल ली है। मगर बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार युवकों का कुछ पता नहीं लगा है। कहीं पर भी सीसीटीवी कैमरों में मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर ठीक से नहीं आया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों ने नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ की है। भारतीय सेना में नायक (एलडी) के पद पर तैनात राजनगर, पालम निवासी सुरेंद्र मलिक (34) आर्मी मुख्यालय में तैनात हैं। नौ अगस्त को चाणक्यपुरी थाने में शिकायत में उन्होंने बताया कि वह अपनी पत्नी व बेटी को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन छोडने गए थे। वह अपनी तीन वर्षीय बेटे के साथ स्कूटी से वापस घर जा रहे थे उस समय यह वारदात हुई।

भाजपा और रालोद में बढ़ा मनमुटाव!

» योगी के मंत्री के बयान पर सियासत

» रालोद जिसके साथ गई उसका सूपड़ा साफ : लक्ष्मी नारायण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मथुरा की छाता विधानसभा सीट से विधायक और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने रालोद को पटपांव (दुर्भाग्यशाली) बताते हुए कहा कि जिस पार्टी के साथ उसका गठबंधन हुआ, उसका सूपड़ा साफ हो गया। भाजपा-रालोद के गठबंधन के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से 240 सीटों पर आ गई। जयंत चौधरी अचानक ही पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह के आवास पर पहुंचे थे।

इसके बाद आगामी विधानसभा चुनाव में छाता सीट रालोद के खाते में आने की चर्चा शुरू हो गई थी। इसको लेकर जब कैबिनेट मंत्री से बात की गई तो उन्होंने रालोद को आड़े हाथों लिया। रालोद की स्थापना का मुहूर्त ऐसा हुआ कि वह जिसके साथ गई, उसका सूपड़ा साफ हो गया। कहा कि पूर्व पीएम चंद्रशेखर, वीपी सिंह, नरसिम्हा राव, एचडी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी का रालोद गठबंधन के चलते सूपड़ा साफ हो गया।

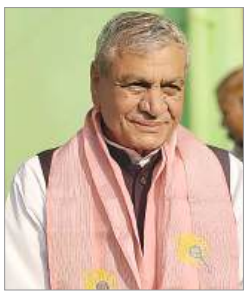

रालोद का वोटर नहीं देता भाजपा को वोट

कैबिनेट मंत्री चौ. लक्ष्मी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि भाजपा को रालोद का वोट कभी नहीं मिलता है। लोकसभा चुनाव 2024 में मथुरा सीट पर रालोद का वोट कांग्रेस को मिला, जिससे उसका आंकड़ा बढ़ गया। उन्होंने कहा कि रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। तब वे छाता विस क्षेत्र से 85 हजार वोट से हारे थे।

मंत्री इस्तीफा दें : तेजपाल सिंह

वहीं, रालोद नेता और पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह ने मंत्री के इस बयान पर इस्तीफे की मांग कर डाली। ये बातें कैबिनेट मंत्री ने एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान कहीं। दरअसल पूरा मामला रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के कुछ दिन पूर्व मथुरा आगमन से जुड़ा हुआ है।

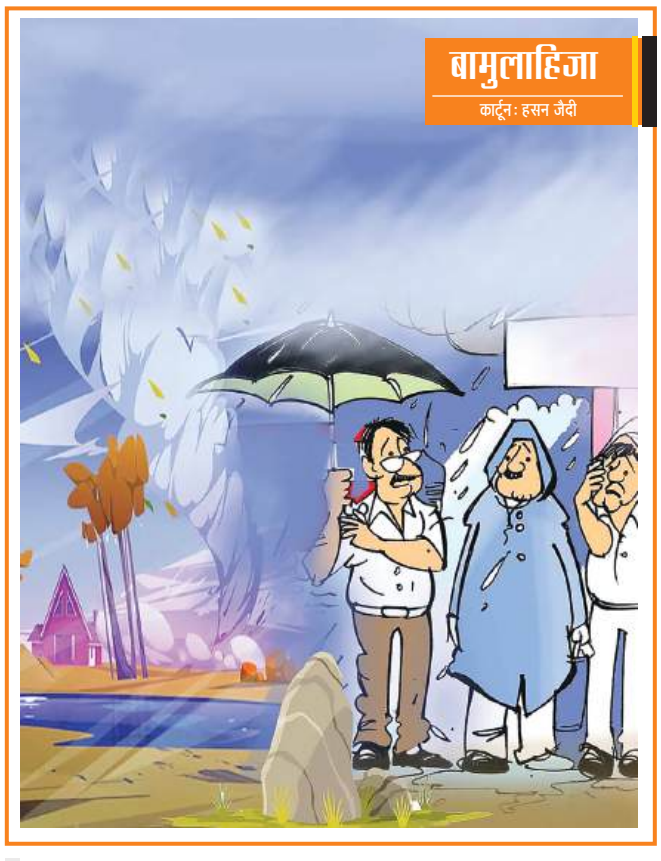

पंजाब में अकाली दल के दोफाड़ बढ़ेगी सुखवीर बादल की मुश्किलें

» तकड़ी के निशान पर होगा घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर (पंजाब)। पंजाब का प्रमुख क्षेत्रीय दल शिरोमणि अकाली दल दोफाड़ हो चुका है। अब अकाली दल का चुनाव निशान तकड़ी सुखबीर बादल के धड़े के पास रहेगा या ज्ञानी हरप्रीत सिंह के गुट के पास, इसे लेकर घमासान मचना तय है। फिलहाल अकाली दल के तीन विधायक हैं।

इनमें से एक सुखविंदर सुक्खी आप में चले गए हैं लेकिन फिलहाल वह विधानसभा में अकाली दल के निशान पर ही विधायक हैं। उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है। मनप्रीत अयाली ज्ञानी हरप्रीत सिंह की तरफ आ चुके हैं। तीसरी विधायक गनीव कौर मजीठिया हैं। वह सुखबीर बादल की रिश्तेदार हैं और बिक्रम मजीठिया की पत्नी हैं। मजीठिया व सुखबीर में भी मामला गड़बड़ाया हुआ है।

बादल की घेराबंदी की तैयारी

ज्ञानी हरप्रीत सिंह के धड़े की तरफ से सुखबीर बादल की घेराबंदी की तैयारियां की जा रही हैं। आने वाले दिनों में बैंक में खाता खुलवाने से लेकर लेटर पैड तक छपवाए जा रहे हैं। अगर बादल धड़ा मामले की शिकायत लेकर चुनाव आयोग के पास गया तो सदस्यता को लेकर दोनों तरफ से दावेदारी की जाएगी। फिर मामला चुनाव आयोग के पास फंस जाएगा।

बिहार में चुनावी आहट, उठी सियासी आफत!

सियासी दलों को छोड़ने व जोड़ने का सिलसिला शुरू

- राजद ने भाजपा-जदयू को घेरा
- एसआईआर व डबल वोटर आईडी को लेकर मची रार
- विस चुनाव से पहले सीटों के बंटवारे पर भी किचकिच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनावी की आहट जैसे-जैसे तेज हो रही है वैसे-वैसे सियासी सरगर्मी भी तेजी से परवान चढ़ रही है। जहां वोटर आईडी को लेकर राजद व भाजपा में वार-पलटवार चल रह है वहीं सियासी दलों से नेताओं का आना-जाना शुरू हो गया है।

वहीं गठबंधनों के सहयोगियों की इच्छाएं भी बढ़ती जा रही हैं। वे विधान सभा चुनावों में ज्यादा से ज्यादा सीटें मांग रह हैं। आयाराम गयाराम के क्रम में बिहार चुनाव से पहले चिराग पासवान को बड़ा झटका है। लोजपा-रामविलास के 139 नेताओं ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। नेताओं ने जमुई सांसद अरुण भारती पर अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। खगड़िया में भी पहले 38 नेताओं ने इस्तीफा दिया था।

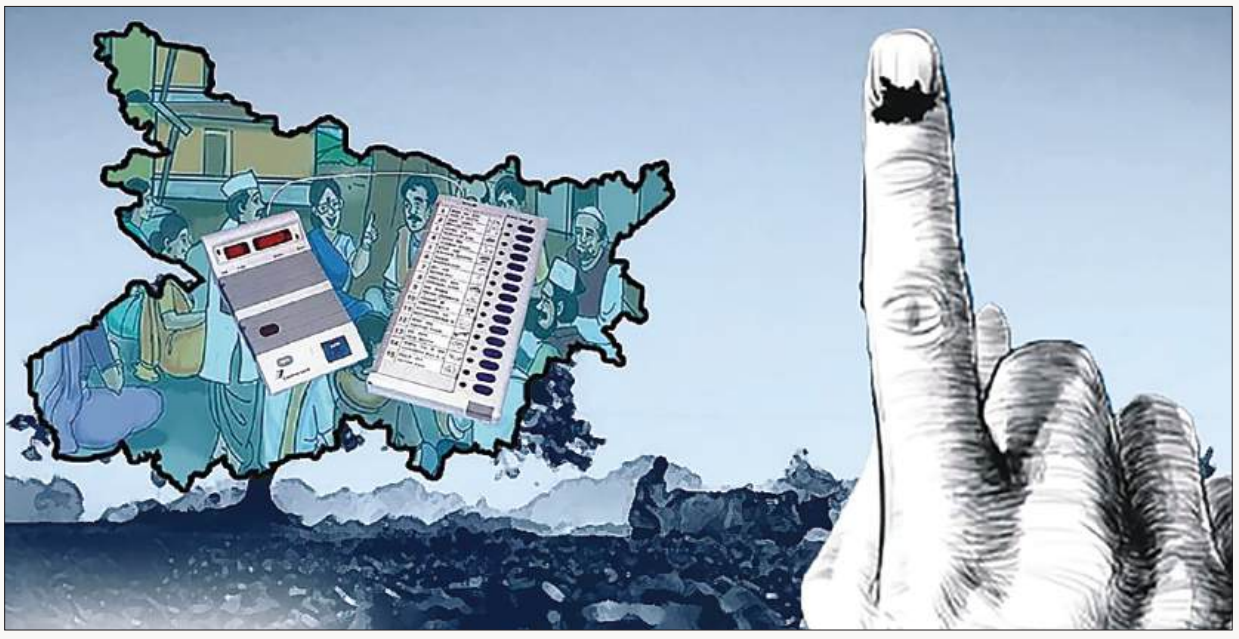

सहनी के डिप्टी सीएम वाले सपने पर चोट

मुकेश सहनी का डिप्टी सीएम वाला सपना आरजेडी के बड़े नेता ने चकनाचूर कर दिया। अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि ऐसा कोई कमिटमेंट नहीं है। अपने मन से लोग कुछ भी बोल सकता है। राजद के नेता और बिहार के पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी ने एक ओर भाजपा और जदयू सहित बिहार सरकार को निशाने पर लिया, वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता मुकेश सहनी के सरकार बनने पर उपमुख्यमंत्री की दावेदारी को भी सिरे से नकार दिया। मोतिहारी में एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कोई भी कुछ भी दावेदारी कर ले, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन जहां तक गठबंधन की बात है, तो गठबंधन में इस तरह की कोई बात सामने नहीं आई है।

एनडीए में बने रहेंगे नाराज नेता

सारण जिले के नाराज नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दोनों सांसदों के खिलाफ नारेबाजी की। दीपक कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि इस्तीफा देने के बावजूद वे एनडीए में बने रहेंगे। सभी नेता मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे।

सिद्दीकी ने बीजेपी पर साधा निशाना

उन्होंने मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चोर की दाढ़ी में तिनका है। उन्होंने कहा, भाजपा के नेता अब यह बयान देने लगे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठिए आ गए हैं, वे वोटर बन गए हैं। अगर बांग्लादेशी घुसपैठिए आ गए और वोटर बन गए, तो यह सीधा केंद्र सरकार की असफलता है। अगर ऐसा है, तो यह बड़ी असफलता है।

नीतीश कुमार की घोषणाओं पर तंज

इधर, बिहार सरकार द्वारा लगातार की जा रही घोषणाओं को लेकर भी राजद नेता ने निशाना साधा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार के पेंशनधारियों के बैंक खाते में 1100 रुपए भेजे जाने को लेकर उन्होंने कहा कि जनता सब समझती है कि जब चुनाव आया है, तो घोषणाएं हो रही हैं।

चिराग पासवान की पार्टी को 139 नेताओं ने छोड़ दिया

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को बड़ा झटका लगा है। सारण जिले में लोजपा (रामविलास) पार्टी के 139 पदाधिकारियों और नेताओं ने सामूहिक इस्तीफा देकर संगठन में हलचल मचा दी है। इस्तीफे की वजह जमुई से सांसद और बिहार प्रभारी अरुण भारती पर अवैध वसूली के आरोप बताए गए हैं। नेताओं का आरोप है कि अरुण भारती और खगड़िया सांसद राजेश वर्मा तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। इस्तीफा देने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष और वर्तमान प्रदेश सचिव दीपक कुमार सिंह समेत 39 मंडल समिति सदस्य, 16 प्रखंड अध्यक्ष, 30 महिला समिति सदस्य और 40 नगर निकाय समिति सदस्य शामिल हैं। दीपक कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि संकल्प यात्रा के नाम पर सारण से जबरन वसूली की गई और विरोध करने पर कार्यकर्ताओं को अपमानित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान के जीजा अरुण भारती पार्टी को एक कंपनी की तरह चला रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने सिन्हा पर लगाया आरोप

तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि विजय कुमार सिन्हा के पास दो वोटर आईडी हैं। एक वोटर आईडी में उनकी उम्र 57 साल बताई गई है, जबकि दूसरे में 60 साल। उन्होंने कहा कि यह जानकारी चुनाव आयोग की वेबसाइट और नई मतदाता सूची में भी उपलब्ध है। यादव ने कहा, केवल दो ही बातें हो सकती हैं या तो चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की पूरी प्रक्रिया ही फर्जी है या फिर बिहार के उपमुख्यमंत्री फर्जी हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा उन पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने के आरोप लगाए जाने के बाद बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पलटवार किया है। तेजस्वी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिन्हा पर दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से दो वोटर आईडी होने का आरोप लगाया था और इसके सबूत भी पेश किए थे।

खगड़िया में भी हो चुकी है बगावत

बता दें, इससे पहले, पिछले महीने खगड़िया में भी पार्टी के 38 नेताओं ने एक साथ इस्तीफा दे दिया था। इनमें पूर्व जिलाध्यक्ष शिवराज यादव, प्रदेश महासचिव रतन पासवान और युवा जिलाध्यक्ष सुजीत पासवान शामिल थे। वहां भी सांसद राजेश वर्मा के कामकाज के तरीके से नाराजगी मुख्य कारण बताया गया था। लोजपा-आर में लगातार इस्तीफों की वजह से चुनावी तैयारी पर असर पड़ सकता है। अब देखना यह है कि चिराग पासवान इन बगावतों को थामने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

तेजस्वी पर बिफरे चिराग व विजय सिन्हा

तेजस्वी यादव द्वारा बिहार के उपमुख्यमंत्री पर दो वोटर आईडी के आरोपों के बाद चिराग पासवान ने उन पर जमकर पलटवार किया। चिराग ने तेजस्वी को ही दो ईपीआईसी नंबर होने की बात याद दिलाते हुए कहा कि वे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने के आरोपों के बाद अब सत्ता पक्ष ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि जब चार दिन पहले यह बात सामने आई थी कि तेजस्वी यादव के पास दो ईपीआईसी (इलेक्टोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड) नंबर हैं, तो वह इस मुद्दे को दबाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, अगर आज ऐसा कोई मुद्दा सामने आया है, तो चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा। चिराग पासवान ने विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप शिकायत करते हैं, और जब इसे संबोधित करने की प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है, तो आप उस पर भी सवाल उठाते हैं। पासवान ने राहुल गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्ष बार-बार ऐसे मुद्दे उठाता है, लेकिन उनकी मंशा सिर्फ संस्थाओं को खत्म करना है। तेजस्वी यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय कुमार सिन्हा ने कहा, ये लोग संविधान को नहीं मानते और संवैधानिक संस्थाओं के बारे में भ्रम फैलाकर लोकतंत्र के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि हर चुनाव से पहले यह प्रक्रिया होती है। सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस तरह का खेल नहीं खेलती, बल्कि लोकतंत्र के हित में काम करती है और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, विजय सिन्हा न तो उम्र की धोखाधड़ी करते हैं और न ही संवैधानिक संस्था का अपमान करते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुप्रीम कोर्ट का एक संवेदनशील फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर के नागरिक प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।

ये फैसला तो वैसे जानवरों के लिए दिया गया है। पर देखा जाए तो यह एक संवेदनशील फैसला है। इस फैसले से स्ट्रीट डॉग्स को सहारा मिलने की उम्मीद है। दरअसल शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को लेकर सख्त टिप्पणी की है। बड़ी कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखें, अड़ंगा डालने वालों पर कार्रवाई भी किया जाए। आपको बता दें दिल्ली एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर के नागरिक प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें। लोगों पर आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर इस मामले पर सुनवाई शुरू की थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है।

पीठ ने स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि 8 हफ्तों में वे आवारा कुत्तों को रखने के लिए आश्रय स्थल बनाने की जानकारी दें। अदालत ने कहा कि आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस काम में आड़े आए तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें। पीठ ने ये भी कहा कि एमसीडी/एनडीएमसी और दिल्ली एनसीआर के संबंधित प्राधिकरण दैनिक आधार पर आवारा कुत्तों को पकड़ने का रिकॉर्ड रखें और पकड़े जाने के बाद एक भी आवारा कुत्ता वापस छोड़ा नहीं जाना चाहिए और सभी को आश्रय स्थल में रखा जाए। पीठ ने कहा कि अगर इस मामले में लापरवाही की गई तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने भी अदालत से अपील की कि वे इस मामले में सख्ती से दखल दें ताकि आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान हो सके। मेहता ने कहा कि नसबंदी से कुत्तों की सिर्फ संख्या बढ़नी रुकती है, लेकिन रेबीज का संक्रमण फैलाने की उनकी क्षमता कम नहीं होती। पीठ ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं और इस मामले में तुरंत दखल दिए जाने की जरूरत है। उम्मीद की जानी चाहिए कोर्ट के इस पहल से आने वाले समय में सड़क पर घूम रहे कुत्तों की दुदर्शा में तो कमी आएगी ही उनके द्वारा जो मानवों को नुकसान पहुंचाया जाता है वो भी गिनती पर के रह जाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ट्रंप की तल्खी से उपजा वैश्विक असंतुलन

ज्योति मल्होत्रा

डोनॉल्ड ट्रंप के लिए पिछला हफ्ता काफी व्यस्त रहा। उन्होंने भारत के समक्ष टैरिफ रूपी विकट चुनौती बना डाली है, पहले लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ को बढ़ाकर दोगुणा यानि 50 प्रतिशत कर दिया। साथ ही उन्होंने भारत के साथ तमाम व्यापार वार्ताएं रद्द कर दी हैं। उन्होंने भारत को यह धमकी भी दी है कि यदि वह रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखेगा, तो और कई प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उन्होंने अमेरिका से कई भूटानी प्रवासियों को वापस भेजने का आदेश भी जारी किया है। उन्होंने एक बॉन्ड पेश किया है जिसके तहत कुछ श्रेणी के पर्यटकों को अमेरिकी वीजा पाने के लिए 5,000 से 15,000 डॉलर भरने होंगे। अमेरिकी कॉलेजों को उनका नया आदेश है कि वे दाखिले के इच्छुक आवेदकों के टेस्ट प्वाइंट औसत के अलावा नस्ल और लिंग संबंधी आंकड़े एकत्र करें। आप पूछ सकते है: ' अमेरिकी राष्ट्रपति को इतना गुस्सा क्यों आता है'? वह हर समय गुस्से में क्यों रहते हैं? हेप्पीनेस गुरु दीपक चोपड़ा इसका कारण ट्रंप की प्यार पाने की चाहत, यहां तक कि प्रशंसा की निरंतर और बेइंतहा भूख बताते हैं। हो सकता है कि वे सही हों। ट्रंप के आत्ममुग्धता भरे व्यवहार ने न केवल दुनिया को उलट-पुलट करके रख दिया, बल्कि ऐसा नाटकीय असर हुआ कि अमेरिका के साथ समझौते करने को देश कतारबद्ध खड़े हैं। सिर्फ एक भारत ही अलग किस्म की प्रतिक्रिया दे रहा है। मोदी ने कहा है कि वे भारत के किसानों के हितों से समझौता नहीं करेंगे और अमेरिका के सामने खड़े होने की कीमत चुकाने को तैयार हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल आनन-फानन में कुछ दिन पहले मास्को पहुंचे, व्लादिमीर पुतिन को क्रेमलिन स्थित उनके आवास से बाहर लाकर हाथ में हाथ डाले दिखे और उनसे दिल्ली शीघ्र आने का सार्वजनिक वादा लिया। प्रधानमंत्री भी जल्द ही शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन का दौरा करेंगे। ऐसा लगता है कि पिछले एक हफ्ते में प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भरता, गुटनिरपेक्षता - इसे आप जो भी कहें - का मतलब पूरी तरह समझ लिया है। यह विचार कि बाहरी दुनिया के साथ व्यवहार करते समय भारत अपनी खींची लक्ष्मण रेखा के भीतर रहेगा। अगले कुछ महीने दिलचस्प होने वाले हैं। क्वाड शिखर सम्मेलन नवंबर में होने की उम्मीद है अर्थात ट्रंप की भारत आने की बारी है। रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय

वार्ता भी हो सकती है, जिसे भारत कुछ समय से टालता आया है क्योंकि वह अमेरिकियों को अनावश्यक रूप से नाराज नहीं करना चाहता था। मुख्य प्रश्न उठता है कि क्या एक नए शीत युद्ध की आशंका है। साथ ही, पिछले हफ्ते विदेश नीति में 'हाथ जलने' से भारत ने कौन-सा बड़ा सबक सीखा है? पिछले एक दशक से, मोदी अमेरिकियों को लगातार डोरे डालने में लगे हुए थे। जाहिर है, इसमें कुछ भी गलत नहीं - आधा पंजाब, जो पहले से ही अमेरिका-कनाडा जा बसा है, अमेरिका की अपार शक्ति को बखूबी समझता है, और उनकी भांति देश के बाकी हिस्सों से गए लोगों का एक बड़ा तबका भी, वह जिसे अभी भी ग्रीन कार्ड का बेसब्री से इंतजार है। यह बात भारतीय अभिजात्य वर्ग के लिए भी उतनी ही सच है जितनी उन अपेक्षाकृत कम भाग्यशाली लोगों के लिए, जो अपनी संतान को बेहद समृद्धि और बेहतरीन जीवन की उम्मीद से भरपूर देशों में भेजने को अपनी संपत्ति तक बेच देते हैं। लेकिन मोदी इससे भी कई कदम आगे बढ़ गए, निस्संदेह इस विश्वास के साथ कि किसी शक्तिशाली राष्ट्र के साथ जुड़े रहने पर, उस गठबंधन के लाभ मिलेंगे - ठीक वैसे ही जैसा कि जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किया था। सवाल पैदा होता है कि क्या भारत एक छोटे से मुल्क जापान - एक महान और अद्भुत देश - जैसा बनना चाहता है या खुद एक विलक्षण, सभ्यतागत शक्ति बनना चाहेगा। अमेरिका के साथ मौजूदा विवाद इस प्रश्न का उत्तर देने का एक अच्छा वक्त है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारत की विदेश नीति ज्यादा ही संशय में नजर आई है। अमेरिका की तरफ असाधारण ध्यान उसी समय बना जब चीनी सैनिकों ने कोविड-19 के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पार कर ली - जिसने पीएम मोदी और भारत दोनों को हैरान-परेशान कर दिया। इससे चीन-भारत संबंधों में भारी गिरावट आई। चार साल बाद, भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं के बीच बहुत बड़े अंतर ने पुनर्विचार करने पर मजबूर किया - भारत सस्ती चीनी वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भर है और व्यापार में कमी नुकसानदेह सिद्ध हो रही थी। इसलिए जब मोदी पिछले साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान गए, तो रूस ने एक समझौता कराया, जिसमें मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। इस महीने के अंत में, प्रधानमंत्री शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के लिए तियानजिन जाएंगे, वहां शी जिनपिंग दुबारा भेंट होगी।

धान अवशेष प्रबंधन के टिकाऊ समाधानों की जरूरत

डॉ. वीरेंद्र लाथर

अक्टूबर-नवंबर में उत्तर पश्चिम भारत, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाती है। इसके जिम्मेदार कई कारक हैं जैसे मानसून के कारण वायु की गति मंद होना, पहाड़ों से ठंडी हवाओं का मैदानी क्षेत्र की तरफ चलना व पहले से ही मौजूद वायु प्रदूषण का पृथ्वी की सतह पर फैलना। वहीं इसमें धान कटाई के बाद खेतों में पराली जलाना भी एक कारक है। जो सितंबर अंत से नवंबर अंत तक गेहूं, सरसों आदि की बुआई हेतु धान की फसल के अवशेषों को खेत से साफ करने की आसान और बिना लागत वाली विधि है। पराली जलाने से वायुमंडल में बड़ी मात्रा में विषैले प्रदूषक उत्सर्जित होते हैं, जिनमें मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड, वाष्पशील कार्बनिक यौगिक और कार्सिनोजेनिक पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन जैसी हानिकारक गैसें शामिल हैं। ये प्रदूषक वातावरण में फैल कर भौतिक और रासायनिक परिवर्तन होने के बाद धुंध की परत का रूप धारण कर लेते हैं।

कई-कई दिनों तक धूप को पृथ्वी तक पहुंचने में बाधा बनते हैं। इसके दुष्प्रभाव से सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 5 से 30 प्रतिशत तक ही रहता है। पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करती है। यह व्यय पराली के बंडल बनाकर उद्योगों तक पहुंचाने जैसी अव्यावहारिक योजनाएं लागू करने पर भी होता है। इसके अलावा पराली जलाने पर प्रतिबंध, किसानों पर जुर्माना और केस दर्ज करने जैसे सख्त उपाय अपनाए जाते हैं। लेकिन वायु की गुणवत्ता में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। विडंबना है, प्रचारतंत्र द्वारा पराली जलाने से वायु प्रदूषण पर केवल किसानों को ही जिम्मेवार ठहराया जाता है। इन सबके बावजूद, पराली जलाने की घटनाओं में कमी नहीं आई है। कारण स्पष्ट है कि किसानों के पास पराली प्रबंधन के लिए व्यावहारिक और सस्ते विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि धान की कटाई और अगली फसल की बुआई के बीच 15-20 दिनों की अल्प अवधि होने के कारण उनके पास पराली हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं होता है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के साथ लगते राज्यों में 60 लाख हेक्टेयर भूमि पर धान-गेहूं फसल चक्र अपनाया जाता है, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में धान कटाई के बाद गेहूं, आलू और सरसों आदि की बुआई की जाती है। इन क्षेत्रों में सालाना लगभग 40 करोड़ क्विंटल पराली पैदा होती है। जिसे उद्योगों में इस्तेमाल करने के लिए 15-20 दिन की अल्पावधि में लाखों ट्रैक्टर-चालित बेलर मशीनों की मदद से खेतों से करीब 100 करोड़ बंडल बनाए जाते हैं। इन्हें एक करोड़ वाहनों द्वारा सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित उद्योगों तक ढोने में लाखों करोड़ों लीटर डीजल खर्च होता है, जो सरकारी धन की बर्बादी और प्रदूषण बढ़ाने वाला अव्यावहारिक प्रयास कहा जा सकता है।

प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा 26 सितंबर, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार, पंजाब में उत्पन्न होने वाली 20 मिलियन टन पराली के लिए 1,17,672 फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनें हैं। इसी तरह हरियाणा में भी लगभग 80 हजार सीआरएम मशीनों के लिए किसानों को सब्सिडी देने का दावा किया जा रहा है। जबकि हरियाणा में अगस्त, 2018 के प्रशासनिक आदेश 'कम्बाइन हार्वेस्टर पर सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) की कानूनी अनिवार्यता'लागू करके किफायती व आसान तरीके से पराली जलाने का हल कर सकती है। पराली जलाने का सबसे बेहतर पर्यावरण और किसान हितैषी समाधान यह है कि इसे खेत में भूमि में दबाकर जैविक खाद में बदला जाए। इसके लिए धान कटाई के बाद प्रति एकड़ 30 किलो यूरिया का छिड़काव करके मोल्ड बोर्ड हल या हैरो से पराली को मिट्टी में दबाकर अगली फसल की बुआई आसानी से की जा सकती है। यह विधि कम समय में पराली प्रबंधन के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखती है और खर्च भी नहीं बढ़ाती है। लेकिन पराली को खेत में दबाने को सफलतापूर्वक अपनाए जाने के लिए जरूरी है कि धान की कटाई सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम से लैस कम्बाइन हार्वेस्टर से की जाए। यह मशीन पराली को छोटे बारीक टुकड़ों में काटकर खेत में फैला देती है, जिससे गहरी जुताई द्वारा पराली को आसानी से भूमि में मिलाया जा सकता है।

पराली जलाने पर किसानों पर जुर्माना और जेल भेजने जैसी सख्त कार्रवाई की गयी लेकिन उपरोक्त पर्यावरण हितैषी आदेश को लापरवाही के चलते प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। यानी पराली जलाने के लिए किसानों के साथ-साथ तंत्र भी जिम्मेदार है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अमृतसर द्वारा वर्ष 2025 में किए गए एक अध्ययन में भी पंजाब में पराली जलाने के लिए सरकारी तंत्र की विफलताओं को ही जिम्मेदार ठहराया गया है। इसलिए पराली जलाने को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि बिना सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम से सुसज्जित किसी भी कम्बाइन हार्वेस्टर को धान की कटाई की कानूनी अनुमति न दी जाए, और इन आदेशों को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए संबंधित प्रशासनिक तंत्र को जवाबदेह भी बनाया जाए। इससे पराली जलाने की समस्या खत्म होगी, प्रदूषण नियंत्रित होगा और पराली जलाने की समस्या का टिकाऊ समाधान मिल सकेगा।

विदेश में ये हैं प्रसिद्ध बड़े मंदिर

हिंदू धर्म की समृद्ध परंपरा और आस्था केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विदेशों में भी देखने को मिलती है। दुनिया के कई देशों में भव्य और अद्भुत हिंदू मंदिर हैं जो न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति और वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण भी है। ये मंदिर विदेश में बसे भारतीयों और स्थानीय लोगों के बीच भारतीय संस्कृति का जीवंत स्वरूप बने हुए हैं। विदेश यात्रा के दौरान आप भी इन मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकते हैं। यहां की भव्यता और आध्यात्मिक शांति आपका मन मोह लेगी। हालांकि अगर आप विदेश यात्रा नहीं कर सकते हैं तो भी विदेशों में स्थित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों के दर्शन तस्वीरों के माध्यम से कर सकते हैं। तस्वीरों से ही आपको मंदिर की भव्यता का अनुभव मिल सकता है।

तनाह लोट मंदिर, बाली

बाली इंडोनेशिया का एकमात्र हिंदू बहुल प्रांत है। तनाह लोट दुनिया भर में सबसे प्रसिद्ध और प्राचीन हिंदू मंदिरों में से एक है। यह मंदिर एक चट्टान के ऊपर बना है और बाली के हिंदुओं के लिए एक पवित्र धार्मिक स्थल है। यह बाली के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है।

मुरुगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में मुरुगन टेंपल है। भगवान मुरुगन को पहाड़ों का देवता माना जाता है। यह भव्य मंदिर न्यू साउथ वेल्स के पहाड़ों पर स्थित है। इसे सिडनी मुरुगन नाम से भी जाना जाता है। सिडनी में रहने वाले हिंदू धर्म के लोगों के लिए इस मंदिर के लिए काफी आस्था है।

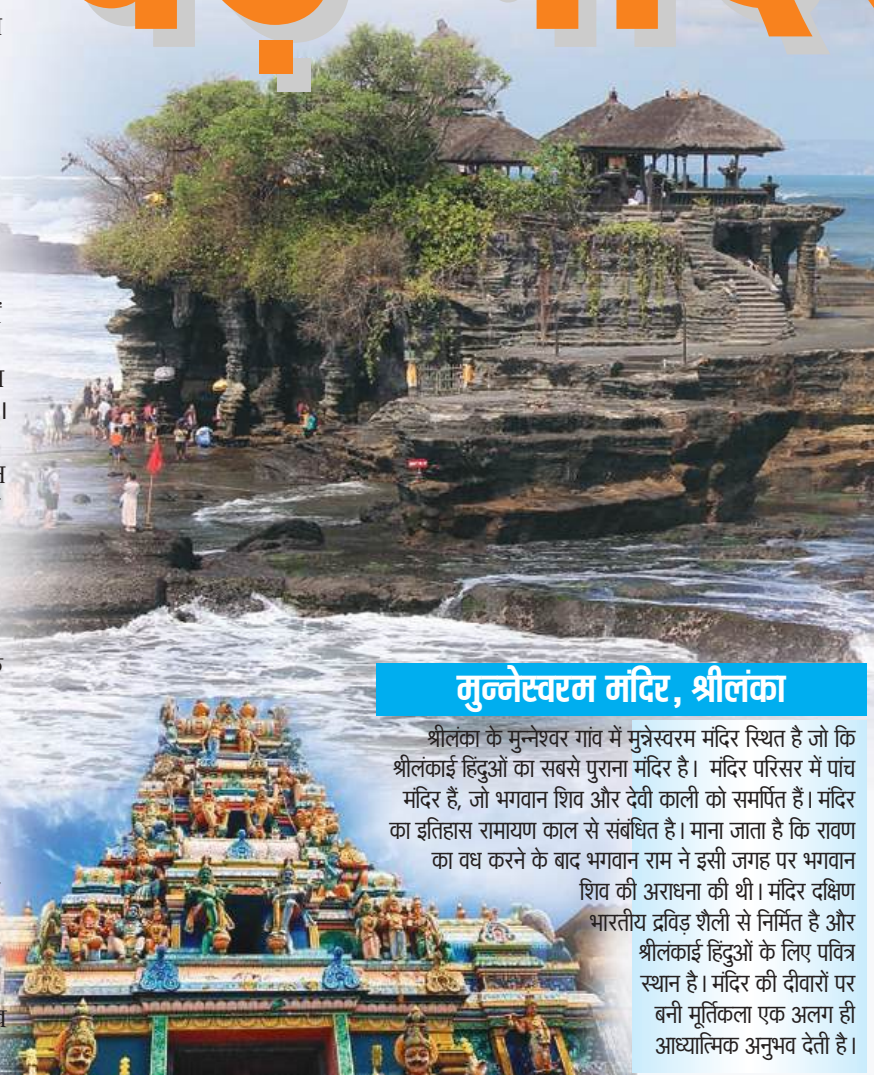

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेश्वर गांव में मुन्नेस्वरम मंदिर स्थित है जो कि श्रीलंकाई हिंदुओं का सबसे पुराना मंदिर है। मंदिर परिसर में पांच मंदिर हैं, जो भगवान शिव और देवी काली को समर्पित हैं। मंदिर का इतिहास रामायण काल से संबंधित है। माना जाता है कि रावण का वध करने के बाद भगवान राम ने इसी जगह पर भगवान शिव की अराधना की थी। मंदिर दक्षिण भारतीय द्रविड़ शैली से निर्मित है और श्रीलंकाई हिंदुओं के लिए पवित्र स्थान है। मंदिर की दीवारों पर बनी मूर्तिकला एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभव देती है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भी हिंदू मंदिर है। यहां राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर है जो कि भगवान शिव को समर्पित है। पशुपतिनाथ मंदिर पवित्र बागमती नदी के किनारे स्थित है। यह हिंदू धर्म के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव की लगभग एक मीटर ऊंची चार मुंह वाली प्रतिमा स्थापित है।

हंसना मना है

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे, पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, पत्नी-क्या? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे...रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला... उसने कहा मुझे भी बिठा लो, कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है।

गणित की क्लास चल रही थी, टीचर ने पूछा- बताओ 1000 किलो = एक टन, तो 3000 किलो कितना होगा? पप्पू- जी सर....टन, टन, टन, टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं।

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप- बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले हो गये हैं।

महिला कैशियर- मुझे कुछ दिन की छुट्टी चाहिए, क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरी सुन्दरता कुछ कम हो गई है। बैंक मैनेजर- क्या मतलब? महिला कैशियर- पुरूषों ने पैसे गिनकर लेने शुरू कर दिए हैं।

कहानी — राम नाम जप की महत्ता

एक बार राजा एवं महामंत्री ने मार्ग में किसी ब्राह्मण को भीख मांगते देखा। राजा-यह क्या है? महामंत्री- महाराज! भूला हुआ है। राजा ने कहा- तो इस पण्डित को रास्ते पे लाओ। महामंत्री ने कहा-आ जायेगा पर समय लगेगा। कृपया तीन माह की अवधि दीजिये। शाम को महामंत्री ब्राह्मण के घर गया और ब्राह्मण से विद्वान होकर भीख मांगने का कारण पूछा। ब्राह्मण के बताने पर महामंत्री ने कहा, कल से प्रातः आप चार बजे जाग जायं और मेरे लिये दो घण्टे हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे नाम जप करें, शाम को एक स्वर्ण मुद्रा रोज आपके घर पहुंचा दी जायेगी। ब्राह्मण ने जप करना स्वीकार कर लिया। चार बजे उठने और नाम जप करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। रोज शाम को एक स्वर्ण मुद्रिका मिल जाने से धीरे-धीरे ब्राह्मण धनवान हो गया। एक दिन ब्राह्मण ने सोचा कि यदि महामंत्री के लिय नाम-जप ने धनाढ्य बना दिया तो स्वयं के लिये जपने से तो लोक और परलोक दोनो धनाढ्य हो ही जाएंगे। ऐसा सोच कर रोज दो घण्टे खुद के लिये जपने लगे। भगवान नाम की ऐसी कृपा हुई की ब्राह्मण की कामनाएं खत्म होने लगी और एक दिन ब्राह्मण ने महामंत्री से कहा- आप कृप्या सोने की मुद्रिका ना भेजें मैं अब केवल अपने लिये ही जप करूंगा। प्रभु नाम की उपासना ने मेरा विवेक एवं वैराग्य जाग्रत कर दिया, प्रभु भक्ति की लग्न लग गयी। एक दिन ब्राहमण ने पत्नी से कहा-ईश्वर कृपा से अपनी गरीबी दूर हो गयी। सब ठीक हो गया अब आप अनुमति दें तो मैं एकान्त में रहकर नाम जप साधना करना चाहता हूं। पत्नी साध्वी थी अतः उसने स्वीकृति दे दी। अब ब्राह्मण देवता सतत प्रभु स्मरण में रंग गये। साधना फलने फूलने लगी। लोग दर्शनार्थ पधारने लगे धीरे-धीरे बात राजा तक पहुंची तो राजा भी एक दिन महामंत्री के साथ महात्मा के दर्शन करने पधारे। वापिस लौटते समय राजा ने कहा: महात्मन मैं भारत का राजा आपसे प्रार्थना करता हूं, यदि आपको किसी चीज की जरूरत पड़े तो निःसंकोच संदेश भिजवाईयेगा, तत्काल मिलेगी। ब्राह्मण देवता मुस्कुराये ओर बोले: राजन आपके पास ऐसा कुछ नहीं जिसकी मुझे जरूरत हो। हां यदि आपको कुछ चाहिये तो मांगने में संकोच मत करना। महामंत्री ने कहा: राजन् आपने पहचाना इनको, ये वही ब्राह्मण हैं जो तीन माह पूर्व भीख मांग रहे थे। प्रभु नाम के जप ने एक भिखारी को सच्चा दाता बना दिया है। यह सुनकर राजा बड़े हैरान हुये। ये है नाम जप का प्रभाव जो भिखारी से सच्चा दाता बना दे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ — विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन — मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क — आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला — व्यापारिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा को नया काम मिलेगा। कारोबार में नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — आज कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। आपकी कोई योजना फलीभूत होगी। धन निवेश का तत्काल लाभ नहीं होगा। अतः जल्दबाजी न करें।

धनु — अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें।

कुम्भ — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन — कारोबार में आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। पत्नी के सहयोग से भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

नेपोटिज्म ने कभी मेरी मदद नहीं की : नील नितिन मुकेश

नील नितिन मुकेश बॉलीवुड की सम्मानित म्यूजिक फैमिली से ताल्लुक रखते हैं। वह फेमस प्लेबैक सिंगर नितिन मुकेश के बेटे और महान सिंगर मुकेश के पोते हैं। उन्होंने अब तक कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है, लेकिन उनका कहना है कि नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) कभी भी उनके काम नहीं आया। नील ने यह भी कहा कि फिल्मी बैकग्राउंड के होने के बावजूद आज भी वह काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्क्रीन के साथ बातचीत में नील नितिन मुकेश ने बताया कि वह अपनी जर्नी को लेकर नेपोटिज्म जैसे लेबल में विश्वास नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे फिल्म इंडस्ट्री में जन्म लेने और बड़े होने का सौभाग्य मिला है, लेकिन मेरा संघर्ष उस शब्द को मेरे लिए बेअसर कर देता है। नेपोटिज्म ने मेरी कभी मदद नहीं की, मैं आज भी अपनी अगली जॉब पाने के लिए संघर्ष कर रहा हूं। हां, यह सोच को जरूर बदलता है, लेकिन जब काम की बात आती है, तो न तो मुकेश जी को, न नितिन मुकेश जी को और न ही मुझे कभी किसी ने उस मामले में सपोर्ट किया।' नील नितिन मुकेश ने आगे कहा, 'हमारी तीन पीढ़ियों ने बहुत संघर्ष झेला है। हमने अपनी कला को जिंदा रखने और दो वक्त की रोटी कमाने के लिए पूरी जिंदगी कड़ी मेहनत की है।' एक्टर ने बताया कि इंडस्ट्री में टैलेंट हमेशा कनेक्शन्स से ऊपर होता है। उनका मानना है कि चाहे कितने भी मौके मिल जाएं, अगर एक एक्टर में हुनर नहीं है, तो वह टिक नहीं सकता है।' उन्होंने कहा, 'आप शाहरुख खान सर को देखिए, क्या वो एक बेंचमार्क नहीं हैं? क्या वो एक आदर्श नहीं हैं? सिर्फ इसलिए नहीं कि वो दुनिया के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं, बल्कि इसलिए भी कि वो एक आउटसाइडर थे, जो आए और सब पर छा गए। हम सभी, यहां तक कि मैं भी, शाहरुख सर या कार्तिक आर्यन जैसे एक्टर्स से प्रेरणा लेता हूं, जो एक नॉन-फिल्म फैमिली बैकग्राउंड से आते हैं।

एडवांस बुकिंग में वॉर-2 ने की पांच करोड़ से ज्यादा की कमाई

ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' साल 2025 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इसमें साउथ स्टार जूनियर एनटीआर भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच स्पाई थ्रिलर 'वॉर 2' की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। पहले दिन थिएटर्स में मूवी का लुत्फ उठाने के लिए दर्शक जमकर टिकटों की एडवांस बुकिंग कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए यह घोषणा की कि 'वॉर 2' की एडवांस बुकिंग अब भारत में शुरू हो चुकी है। कुछ ही घंटों में फिल्म ने एडवांस बुकिंग के जरिए 5 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है। थिएटर्स में रिलीज से पहले 'वॉर 2' को एडवांस बुकिंग में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, जबकि यह बॉक्स ऑफिस पर रजनीकांत की अपकमिंग मूवी 'कुली' से क्लैश हो रही है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा 44,638 टिकट हिंदी 2डी वर्जन के बिके हैं, जिससे फिल्म की कमाई 1.68 करोड़ हुई। इसके अलावा तमिल 2डी वर्जन के 3676, तेलुगु 2डी

वर्जन के 4866 और हिंदी आईमैक्स 2डी वर्जन के 2089 टिकट बिक चुके हैं। अब तक एडवांस बुकिंग में 'वॉर 2' के 55712 टिकटों की बिक्री हो चुकी है, जिससे मूवी ने 2.03 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया।

ब्लॉक सीटों के साथ ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की 'वॉर 2' एडवांस बुकिंग में 5.61 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। वैसे अभी फिल्म की रिलीज में अभी 3 दिन का वक्त है। ऐसे में टिकटों की बिक्री और कमाई में उछाल देखने को मिल सकता है। यह मूवी 2ष के अलावा आईमैक्स, डॉल्बी, 4डीएक्स और अन्य फॉर्मैट्स में रिलीज हो रही है। 'वॉर 2' हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल जैसी भाषाओं में भी दस्तक देगी।

बताते चलें कि 'वॉर 2' फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और यह वाईआरएफपाई यूनिवर्स की अगली किस्त है। इस यूनिवर्स में सलमान खान की 'टाइगर' सीरीज, ऋतिक रोशन की 'वॉर' और शाहरुख खान की 'पठान' शामिल हैं। 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी और आशुतोष राणा भी अहम किरदारों में हैं। यह मूवी 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म अबीर-गुलाल

वाणी कपूर और पाक एक्टर फवाद खान की फिल्म अबीर गुलाल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में रिलीज पर रोक लगा दी थी। क्योंकि आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी एक्टर्स के लिए भारत और इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के सभी दरवाजे बंद कर दिए गए। तभी से यह फिल्म रिलीज नहीं हो पाई है। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को रिलीज की प्लानिंग हो चुकी है।

गौरतलब है कि पहले ये फिल्म 9 मई 2025 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले और पाक कलाकारों पर भारत में बैन की वजह से इस फिल्म पर रोक लगा दी गई। अब Biz Asia Live पर छपी एक रिपोर्ट के

मुताबिक फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वो भी अगस्त महीने के अंत में। इसे ठीक वैसे ही रिलीज किया जाएगा, जिस तरह पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की सरदारजी 3 को किया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक अबीर गुलाल 29 अगस्त 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके साथ ही इसके नाम में भी बदलाव किया जाएगा। इस फिल्म का नाम Abir Gulaal से Aabeer Gulaal कर दिया जाएगा। वहीं भारत में पाकिस्तानी एक्टर्स को लेकर अभी भी लोगों में गुस्से का माहौल है। इस हिसाब से इसे भारत से बाहर ही रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स सरदार जी 3 की स्ट्रेटजी पर ही चल रहे हैं। गौरतलब है कि दिलजीत की ये फिल्म भारत में रिलीज नहीं हुई थी लेकिन इसे बाकी जगह रिलीज किया गया था। क्योंकि उनके साथ उस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर थीं। फिल्म ने दुनियाभर में अच्छा खासा कलेक्शन किया था। पाकिस्तान में इस फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। देखना दिलचस्प होगा कि अबीर गुलाल के लिए यह स्ट्रेटेजी कितना काम आती है।

अजब-गजब | कपल ने अपनी शादी में आये मेहमानों पर लगाया टिकट

कपल ने शादी में आए मेहमानों से ही कमाए 1 करोड़

जब किसी की शादी होती है तो वे अपने शादी के फंक्शन में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबी लोगों को बुलाते हैं। शादी में बुलाने के लिए निमंत्रण पत्र बांटे जाते हैं। शादी के फंक्शन में बहुत खर्चा होता है। लेकिन सोचिए अगर दूल्हा दुल्हन शादी का खर्चा मेहमानों से ही निकाल लें तो। ऐसा ही कुछ हाल ही में एक कपल ने किया। इस कपल ने शादी में आए मेहमानों से पैसे लिए। कपल ने शादी में आए मेहमानों से एक करोड़ रुपए कमाए। हालांकि बाद में कपल ने उन पैसों से जो किया, उसके बारे में जानकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है।

शादी में मेहमानों लिए कार्ड नहीं लगाया टिकट:

अमेरिका के रहने वाले मार्ली जैक्स और स्टीव जे लार्सन ने अपनी शादी को इस तरीके से किया कि उनका जो कुछ खर्चा यहां उन्होंने उसे पूरा वसूल कर लिया। हालांकि कपल ने ऐसा पैसा कमाने के लिए नहीं बल्कि इसके पीछे उनका एक नेक मकसद था। जो कहानी लोगों के बीच जब सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। इनकी शादी ने लोगों को चौंका दिया, क्योंकि इसमें शामिल होने के लिए मेहमानों को कार्ड नहीं, बल्कि टिकट खरीदने पड़े।

मीडिया से बात करते हुए कपल ने कहा कि पारंपरिक शादियों में जो भारी खर्च होता है, उसका बहुत सा हिस्सा व्यर्थ चला जाता है। इस

कारण हम लोगों ने फैसला किया कि शादी में शामिल होने के लिए लोग अपनी खाने की कीमत खुद चुकाएंगे और इस तरह से वे इस इवेंट का हिस्सा बन सकेंगे। इसके लिए कपल ने दो तरह के वेडिंग इविटेशन कार्ड बनवाए। एक बेसिक जिसकी कीमत 4,750 रुपये थी और एक वीआईपी टिकट जिसकी कीमत लगभग 83,000 रुपये थी। ऐसे कपल ने शादी में आए मेहमानों से करीब 1 करोड़ रुपए कमाए। जिसने बेसिक कार्ड खरीदा था वो केवल शादी की मुख्य सेरेमनी और रिसेप्शन में शामिल हो सकते थे, जबकि वीआईपी टिकट में दो लोगों के लिए डिनर, शादी के बाद का ब्रंच और अन्य स्पेशल सेवाएं शामिल थीं। हैरानी की बात तो ये है कि कपल ने 100 बेसिक टिकट और 30 वीआईपी टिकट बेच दिए। इससे उन्हें तकरीबन 1 करोड़ से ज्यादा रुपये जमा किए। शादी के बाद, जो पैसे बच गए (लगभग 84 लाख रुपये), उन्हें विलेज इंपैक्ट नामक एक एनजीओ को दान कर दिया। यह एनजीओ केन्या में शिक्षा और स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है।

यहां पानी के ऊपर नाव और नीचे फर्राटा भरती हैं गाड़ियां, होश उड़ा देगी ये इंजीनियरिंग

इंसानी दिमाग की ताकत और इंजीनियरिंग के नए-नए तरीके हमें अक्सर हैरान कर देते हैं। दुनिया में कई ऐसी इमारतें और बनावट हैं जो देखने में असंभव लगती हैं, लेकिन अपने काम और डिजाइन के कारण वे किसी अजूबे से कम नहीं होतीं। आज हम आपको नीदरलैंड्स में बने ऐसे ही एक इंजीनियरिंग के कमाल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे देखकर आप दंग रह जाएंगे। दरअसल, नीदरलैंड्स में वेलुवमीर एक्वाडक्ट नाम का एक अनोखा पुल है, जो हार्दरविक शहर के पास ह302 सड़क पर स्थित है। यह कोई साधारण पुल नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा जलसेतु है जो एक बड़े जलमार्ग को सड़क के ऊपर से ले जाता है। यह एक्वाडक्ट नीदरलैंड्स की मुख्य भूमि को फ्लेवोलैंड से जोड़ता है, जो दुनिया का सबसे बड़ा कृत्रिम आइलैंड है। 2002 में यातायात के लिए खोले गए इस एक्वाडक्ट की सबसे खास बात यह है कि इसके ऊपर नावों के लिए पानी बहता है, जबकि इसके नीचे से गाड़ियां फर्राटे भरती हैं। यह एक्वाडक्ट 25 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा है, जिसमें 3 मीटर गहरा पानी है, जो छोटी नावों को आसानी से गुजरने देता है। इसके नीचे से हर दिन करीब 28,000 गाड़ियां गुजरती हैं। एक्वाडक्ट के दोनों ओर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ बनाए गए हैं, ताकि लोग इस अद्भुत नजारे का आनंद ले सकें। इस अनोखी संरचना को बनाने के पीछे की वजह भी उतनी ही दिलचस्प है। जब फ्लेवोलैंड को बाकी नीदरलैंड्स से जोड़ने के लिए इस सड़क का निर्माण किया जा रहा था, तो इंजीनियरों के सामने एक बड़ी चुनौती थी- सड़क और झील के जलमार्ग को एक साथ कैसे चलाया जाए। एक ड्रॉब्रिज या सुरंग बनाने पर विचार किया गया था, लेकिन दोनों ही विकल्प में कई समस्याएं थीं। ड्रॉब्रिज बनाने से हर दिन गुजरने वाली हजारों गाड़ियों के यातायात में बार-बार बाधा आती, जिससे भारी ट्रैफिक जाम हो जाता। दूसरी ओर, झील के नीचे से एक लंबी सुरंग बनाना बहुत महंगा और मुश्किल काम था। इन समस्याओं से बचने के लिए डच इंजीनियरों ने एक रचनात्मक और कम खर्चीला समाधान निकाला- सड़क के ऊपर से पानी का एक छोटा पुल बनाना। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 61 मिलियन डॉलर का खर्च आया, लेकिन इसने यातायात को बिना किसी रुकावट के जारी रखने का एक बेहतरीन तरीका पेश किया। इस एक्वाडक्ट के निर्माण में 22,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का इस्तेमाल किया गया है और पानी के भारी वजन को संभालने और सड़क पर रिसाव को रोकने के लिए स्टील शीट्स भी लगाई गई हैं। यह वेलुवमीर एक्वाडक्ट न केवल इंजीनियरिंग का एक शानदार नमूना है, बल्कि यह इंजीनियरिंग की सीमाओं को चुनौती देता है और हमें दिखाता है कि अगर सोच रचनात्मक हो, तो असंभव लगने वाली चीजें भी संभव हो सकती हैं।

राहुल की गिरफ्तारी के विरोध में मप्र में बवाल

भोपाल में कांग्रेस ने जलाया चुनाव आयोग का पुतला

» पटवारी बोले- बीजेपी संविधान और लोकतांत्रिक आस्था पर कर ही सीधा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। चुनाव में वोट चोरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मार्च निकालने के दौरान उन्हें हिरासत में लेने का विरोध मध्य प्रदेश मे भी शुरू हो गया है। पीसीसी के सामने भोपाल में पुतला दहन किया गया। नेताओं ने सरकार पर जम कर हमला बोला है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रेसवार्ता कर कई आरोप लगाए। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि भाजपा चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही है। आज का दिन इतिहास में काले दिन के रूप में दर्ज होगा।

पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि भारत के संविधान की सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट का अधिकार है। यही अधिकार लोकतंत्र की नींव है और इसी से जनता अपने प्रतिनिधि और सरकार चुनती है। जब इस पवित्र अधिकार के साथ छेड़छाड़ होती है, तो यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के संविधान और लोकतांत्रिक आस्था पर सीधा हमला है। पटवारी ने बताया कि आज राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, तमाम विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं के साथ मिलकर वोट चोरी और चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका के खिलाफ चुनाव आयोग से मिलने गए थे। लेकिन जनता की आवाज उठाने के बजाय, सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंटते हुए सभी सांसदों को गिरफ्तार कर लिया।

देश को एकजुट होकर खड़ा होना होगा : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस तरह वोट चोरी का खुलासा किया है, वह भाजपा की असलियत को सामने लाता है। लोकतंत्र की रक्षा और राहुल गांधी की ताकत को बढ़ाने के लिए देश को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। सिंघार ने कहा कि वे राहुल गांधी की गिरफ्तारी की निंदा करते हैं।

देश को कमजोर करना चाहते हैं राहुल : शिवराज

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी और इंडी गठबंधन पर जमकर हमला बोला। शिवराज सिंह ने कहा कि, राहुल गांधी और इंडी गठबंधन देश विरोधी ताकतों के दवाब में लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने पहले देश को बदनाम किया और अब चुनाव आयोग को बदनाम कर रहे हैं। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट को बदनाम किया, केंग को बदनाम किया, सेना के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया, सेना के शौर्य पर सवाल खड़े किए। ये लोग लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं, वो संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, वो देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। शिवराज ने कहा कि, राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं, पहले ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ बोला और जब सेना ने सारे तथ्य सामने रखे तो उनकी बोलती बंद हो गई। उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाए कि, ईवीएम के कारण वो चुनाव हारते हैं, सबूत मांगे तो सबूत नहीं दिए। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई तो राहुल गांधी रणछोड़दास हो गए। अब ईवीएम छोड़ दिया, और एसआईआर पर आ गए हैं, अब राहुल गांधी वोटर लिस्ट को बदनाम कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के अधिकारों का हो रहा हनन

» पूर्व सीएम भूपेश बघेल का प्रदेश और केन्द्र सरकार पर हमला, कई मुद्दों पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। बिलासपुर कोटा में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा- प्रदेश में आज आदिवासी सीएम हैं, लेकिन आदिवासियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। नक्सलियों के नाम पर आदिवासियों को जेल भेजा जा रहा, फर्जी एनकाउंटर किया जा रहा है, उनके खिलाफ सैकड़ों केस लगे हुए हैं। 20 महीनों में 35-40 हजार आदिवासी प्रदेश छोड़ने के लिए बाध्य हैं। तमनार का जंगल काटा जा रहा है। जिस गांव में अडानी के लिए जंगल काटा गया, वहां हमारी सरकार में सामुदायिक पट्टे दिए थे। सीएम के पदभार ग्रहण करने के पहले हसदेव में कटाई शुरू हुई। हमारी सरकार में विस में संकल्प लाया गया था।

भारत सरकार को पत्र लिखा था, पेड़ न कटे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रतिवर्ष जितना कोयला का अनुमति मिला उससे ज्यादा खुदाई हो रही, कोयला राजस्थान जा रहा है या अदाणी के पास जा रहा है। प्रदेश में आदिवासी सीएम के चेहरे को आगे रखकर उन्हें बदनाम किया जा रहा है। आदिवासी सीएम इसलिए बनाए, जंगल उजाड़ा जा सके, उद्योगपतियों को सौंपा जा सके। आदिवासियों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पर निशाना साधते हुए बघेल ने कहा- विष्णुदेव शेषनाग के सैया में विश्राम कर रहे हैं, फुरसत नहीं है। स्कूलों में टीचर नहीं है।

एशिया कप में खेल सकते हैं बुमराह

» नौ से 28 सितंबर तक होना है एशिया कप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज समाप्त होने के बाद अब सभी की नजरें अगले महीने होने वाले एशिया कप पर टिकी हुई हैं। इंग्लैंड दौरे पर कार्यभार प्रबंध चलते तीन टेस्ट खेलने वाले जसप्रीत बुमराह एशिया कप में खेल सकते हैं। बुमराह को इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया जाएगा, लेकिन वह अक्तूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले शुरुआती टेस्ट का हिस्सा नहीं होंगे।

वहीं रोहित शर्मा की जगह नए टेस्ट कप्तान बनाए गए शुभमन गिल शानदार फॉर्ममें दिखे थे और अब वह अक्षर पटेल के साथ टी20 टीम की उपकप्तानी के दौड़ में भी शामिल हो गए हैं। एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में यूएई में नौ से 28 सितंबर तक होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 या 20 अगस्त को एशिया कप के लिए टीम का चयन कर सकती है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की स्पोर्ट्स साइंस टीम सभी खिलाड़ियों का मेडिकल बुलेटिन कब भेजती है, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं, जिन्होंने बंगलूरू में नेट्स पर बल्लेबाजी शुरू कर दी है। भारतीय टीम के चयन को लेकर कुछ मुश्किल फैसले होंगे, लेकिन भारतीय चयनकर्ता निश्चित रूप से निरंतरता बनाए रखना चाहेंगे जिसने उन्हें सूर्यकुमार के टी20 कप्तान के रूप में पदभार संभालने के बाद से बहुत सफलता दिलाई है।

शुभमन गिल की भी वापसी की उम्मीद

2025 में गिल- हेनरी वनडे और टेस्ट में बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच हालिया सीरीज में कप्तान शुभमन गिल ने 10 पारियों में 75.40 की औसत से सबसे ज्यादा 754 रन बनाए। इनमें चार शतक शामिल हैं। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। वह इस साल अब तक उन दो खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें इस साल टेस्ट और वनडे, दोनों प्रारूप में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला है। उनके अलावा ऐसा करने वाले खिलाड़ी न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी हैं। गिल ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता था। वहीं, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड दिया गया। इसके अलावा उन्होंने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था।

राहुल के खुलासे से घबराई सरकार: मुकेश

» डिप्टी सीएम बोले- केंद्र सरकार लोकतांत्रिक परंपराओं को रौंद रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक परंपराओं को रौंदने का आरोप लगाया है। मुकेश ने कहा है कि वोट चोरी और चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित इंडिया गठबंधन के नेता जब शांतिपूर्ण मार्च निकालकर लोकतंत्र की रक्षा की अपील कर रहे थे, तभी केंद्र सरकार के इशारे पर पुलिस ने उन्हें और अन्य सांसदों को हिरासत में ले लिया। लोकतंत्र के लिए यह काला दिन है।

अग्निहोत्री ने कहा किराहुल गांधी ने देश के सामने बड़ा खुलासा किया है कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में लाखों फर्जी वोटर जोड़े गए हैं, जिनमें एक ही व्यक्ति के नाम पर अलग-अलग जगहों पर वोट दर्ज हैं। यह न केवल चुनावी प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता है, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद को हिलाने वाला कृत्य है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को इस तरह दबाने की कोशिश न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि यह दर्शाता है कि सरकार सच से डर रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेंगे और देश की जनता को सच्चाई से अवगत करवाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि फर्जी वोटर लिस्ट, सत्ता का दुरुपयोग और विपक्ष की आवाज दबाना, यह सब इस बात के सबूत हैं कि केंद्र सरकार पारदर्शिता से भाग रही है।

वोट चोरी पकड़े जाने के बाद छटपटा रही भाजपा : प्रतिभा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने संसद के बाहर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी बाड्रा, पार्टी के अन्य सांसदों व सहयोगी दलों के सांसदों की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि यह कदम राहुल गांधी के वोट चोरी के तथ्यों को उजागर करने के बाद भाजपा की छटपटाहट को दर्शाता है। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि केंद्र की भाजपा सरकार की तानाशाही और दमनकारी नीतियों से कांग्रेस न तो डरने वाली है और न ही अपने दायित्व से पीछे हटने वाली है। राहुल गांधी ने जो तथ्य रखे हैं चुनाव आयोग को उनकी जांच करनी चाहिए। देश जानना चाहता है कि आखिर चुनाव आयोग ने इतने बड़े स्तर पर जनमत का अपमान क्यों किया। चुनाव आयोग ने वोट चोरी और फर्जी मतदान आखिर क्यों होने दिया।

बुजुर्गों-दिव्यांगों को स्टालिन सरकार का बड़ा तोहफा

» तमिलनाडु में अब घर -घर पहुंचेगा राशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अब तमिलनाडु में बुजुर्गों-दिव्यांगों का राशन घर-घर पहुंचेगा। तमिलनाडु सरकार ने बताया कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को 21 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों - वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों - के घर तक राशन पहुंचाने की योजना का शुभारंभ किया। जिसके तहत चावल और चीनी सहित राशन की सामग्री इच्छित लाभार्थियों के घर तक पहुंचाई जाएगी। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन राशन कार्ड धारक लक्षित लाभार्थी हैं। इस योजना से लगभग 20.42 लाख वरिष्ठ नागरिक और 1.27 लाख से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे। इस पहल के तहत, हर दूसरे शनिवार और रविवार को लाभार्थियों के घर-घर राशन पहुंचाया जाएगा।

विपक्ष का यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर तीखा प्रहार

मानसून सत्र का दूसरा दिन भी रहा हंगामेदार

» सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ना सरकार का मोटिव : माता प्रसाद पांडेय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष ने निशाने पर रही योगी सरकार। विपक्ष ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान स्कूल मर्जर, फतेहपुर की घटना, शिक्षक भर्ती और पत्रकार सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार से तीखे सवाल किए। सत्ता पक्ष की तरफ से संबंधित मंत्रियों ने उनके जवाब दिए। नेता प्रतिपक्ष के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार इसका बिल्कुल समर्थन नहीं करती है। मामले में 10 लोगों के खिलाफ नामजद और 50 अज्ञात खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत दंड मिलेगा।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने फतेहपुर में मकबरे में हुए हंगामे की घटना को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एक पार्टी के नेता ने सात दिन पहले लोगों को आने का आह्वान किया। तय समय पर हंगामा किया। पुलिस उसको संभाल नहीं पाई। सरकार का यह मोटिव हो चुका है कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़े। वहीं कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। उन्होंने हत्या, छेड़छाड़, दुष्कर्म और पुलिस के उत्पीड़न के आंकड़े रखते हुए अपने सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि हर जिले में पर्याप्त फोरेंसिक टीम नहीं है। ऐसे में कैसे आमजन को सुरक्षा मिलेगी। वहीं जलशक्ति मंत्री के बयान पर विधायक इमरान आक्रोशित हो उठे। उन्होंने कहा कि मंत्री झूठे बयान दे रहे हैं। आप फोन करके गांववालों से पूछ लीजिए, यदि पानी पहुंच रहा होगा तो मैं सदन से इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने योजना की जांच कराने की मांग की।

हर मंडल में फोरेंसिक लैब बनाने का लक्ष्य : खन्ना

कानून व्यवस्था के सवाल पर जवाब देते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सैकड़ों मामलों में मिनिमम 22 दिन और अधिकतम 134 दिन के भीतर सजा हुई। इतनी जल्दी न्यायिक प्रक्रिया से किसी भी सरकार में सजा नहीं हुई। वर्तमान में प्रदेशभर में 12 फोरेंसिक लैब काम कर रही हैं। तीन जिलों में काम चल रहा है। बाकी तीन जिलों में जिस दिन जमीन मिल जाएगी, वहां भी फोरेंसिक लैब बना दी जाएगी। हर मंडल में फोरेंसिक लैब बनाने का लक्ष्य है।

बीबी की कसम खाकर बताइए : स्वतंत्र देव

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा विधायक इमरान अपनी बीबी की कसम खाकर बताइए कि आपके गांव में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसका विपक्ष के नेताओं ने विशेष किया। मंत्री ने आगे कहा कि जिस कंपनी को ठेका दिया गया है, उसने लिखकर दिया है कि 90 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। यदि काम नहीं हुआ तो कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

परिषदीय विद्यालयों के मर्जर पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

सपा विधायक ने प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षक भर्ती का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यदि व्यवस्था ठीक होती तो आज स्कूल मर्जर की जरूरत नहीं पड़ती। इससे पिछड़े और अनुसूचित जाति के बच्चों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल पूछा कि सरकार सरकारी स्कूलों में छह वर्ष की जगह चार वर्ष में बच्चों के नामांकन की व्यवस्था कराएगी या नहीं ? सरकार प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती करेगी नहीं या नहीं?

सदन में गूंजी फतेहपुर की घटना, विपक्ष का वॉकआउट

सदन की कार्यवाही शुरू हो गई है। शुरुआत में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने फतेहपुर जिले में मकबरे में हिंदू संगठनों के हंगामे की खबर पर बहस की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से आश्वासन मिला। विपक्ष के हंगामे और वाक आउट के बीच प्रश्नकाल और शोक संदेश पढ़ने के साथ पहले दिन की कार्यवाही पूरी की गई।

1992 दोहराना चाहती है योगी सरकार : चंद्रशेखर आजाद

नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने इसे यूपी सरकार की सहमति से हुई घटना बताया है। उन्होंने इसे सरकार और कानून व्यवस्था की नाकामी कहा है। चन्द्र शेखर ने कहा कि इतनी बड़ी घटना एलानिया हो गयी, पुलिस, इंटेलिजेंस और एलआईयू कहां थी। चंद्रशेखर आजाद ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान माननीय सांसदों के लिए भारी बैरिकेडिंग की गई, लेकिन फतेहपुर में हंगामा करने वालों के लिए कोई रोक नहीं थी। उन्होंने इसे सरकार की खुली छूट करार दिया। उनका कहना है कि यह सब सोचा-समझा कदम है, जैसा 1992 में हुआ था, ताकि बुनियादी मुद्दों-रोटी, कपड़ा, मकान, स्कूल बंदी, और बाढ़-से ध्यान भटकाया जा सके।

बेजुबान जानवर मिटाने की चीज नहीं है: राहुल

» कांग्रेस सांसद बोले- अधिकारी क्रूरता किए बिना सार्वजनिक सुरक्षा करें सुनिश्चित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया है। इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस फैसले को दशकों से चली आ रही मानवीय और विज्ञान आधारित नीति से पीछे हटना बताया है। राहुल ने कहा कि इन बेजुबान जानवरों को मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे शेल्टर होम, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल को अपनाएं। इससे क्रूरता किए बिना सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

कुछ लोग इसे राहत बता रहे हैं, तो कुछ इसे गलत बता रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश, दशकों से चली आ रही मानवीय और विज्ञान आधारित नीति से पीछे हटना है। उन्होंने कहा कि ये बेजुबान जानवर मिटाने की चीज नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से सभी आवारा कुत्तों को हटाया जाए। उन्हें शेल्टर होम में रखा जाए। ये आश्रय घर दिल्ली सरकार, एमएसीडी, एनडीएमसी और नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के अधिकारी बनाएंगे। कोर्ट ने कहा कि समाज को सुरक्षित महसूस होना चाहिए। सड़क पर कोई आवारा कुत्ता नहीं घूमना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों के आदेश पर नेता प्रतिपक्ष ने दी प्रतिक्रिया

आवारा कुत्तों को लेकर छलका मेनका गांधी का दर्द

अदालत के फैसले के बाद आवारा कुत्तों पर मेनका गांधी का दर्द छलक उठा है। पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी को अदालत का ये फैसला बिल्कुल भी पसंद नहीं आ रहा है. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कड़ी आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यावहारिक और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन के लिए संभावित रूप से हानिकारक करार दिया है। मेनका गांधी ने कहा, दिल्ली में तीन लाख आवारा कुत्ते हैं। उन सभी को पकड़कर शेल्टर होम भिजवाया जाएगा। उनको सड़कों से हटाने के लिए दिल्ली सरकार को 1 हजार या 2 हजार शेल्टर होम बनाने होंगे।क्यों कि ज्यादा कुत्तों को एक साथ नहीं रखा जा सकता। सबसे पहले तो उसके लिए जमीन तलाशनी होगी।

सरकार ने हमारे लोकतंत्र पर कलंक लगाया: उद्धव

» बोले- भाजपा नेता ने मुझे ईवीएम हैक करके दिखाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर तीखा हमला बोला और उन पर लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उद्धव ने कहा कि आज पूरी दुनिया ने तानाशाही देखी जब विपक्ष ने ईसीआई के खिलाफ प्रदर्शन किया। हमारी सरकार ने हमारे लोकतंत्र पर कलंक लगाया है। ठाकरे ने कहा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली में तमाशा किया और कहा कि उन्होंने सुना है कि विपक्षी सांसदों को ईसीआई के पास ले जाने का आश्वासन देकर झूठा हिरासत में लिया गया।

उन्होंने याद दिलाया कि एक भाजपा नेता ने जब शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में थी एक बार उन्हें ईवीएम को कैसे हैक किया जा सकता है पर एक प्रेजेंटेशन दिया था। नाम पूछने पर बस इतना कहा, वो अब भी बीजेपी में है। उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष द्वारा पिछले लोकसभा चुनावों में कथित तौर पर की गई वोट चोरी आगामी बिहार चुनावों में दोहराई जा सकती है। ठाकरे की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में लगभग 300 विपक्षी नेताओं को कथित चुनावी धांधली के मुद्दे पर नई दिल्ली स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च के दौरान पुलिस ने रोक दिया। गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र में कथित तौर पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बारे में की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा उनकी पार्टी में कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जो नहीं चाहता कि वे 2024 के लोकसभा चुनावों में जीतें।

फतेहपुर मकबरा-मंदिर विवाद को गंभीरता से ले सरकार : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं - जरूरत हो तो सख्त कदम उठाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फतेहपुर में मकबरे के मंदिर होने का दावा करने को लेकर हुए बवाल पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने योगी सरकार से अपील की है कि सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और जरूरत पड़े तो सख्त कदम भी उठाने चाहिए।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि यूपी के जिला फतेहपुर में मकबरा व मन्दिर होने को लेकर चल रहे विवाद व बवाल पर सरकार को किसी भी समुदाय को ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाने देना चाहिये जिससे वहां साम्प्रदायिक तनाव पैदा हो जाये तथा आपसी भाईचारा व सद्भाव भी बिगड़े। सरकार इस मामले को जरूर गंभीरता से ले तथा जरूरत पड़ने पर सख्त कदम भी उठाये।

एसआईआर पर सुप्रीम सुनवाई शुरू

» शीर्ष अदालत ने कहा- चुनाव आयोग पूरी तैयारी से आए

» न्यायिक पीठ बोली- मतदाताओं से जुड़े तथ्यों और आंकड़ों पर सवाल तो किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग की ओर से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची की पीठ ने राजद नेता मनोज झा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों से सुनवाई शुरू की।

सिब्बल ने तर्क दिया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग ने दावा किया था कि 12 लोग मृत थे, लेकिन वे जीवित पाए गए, जबकि एक अन्य मामले में जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि इस तरह के अभियान में कुछ खामियां होना स्वाभाविक है। यह दावा करना कि मृत लोगों को जीवित घोषित किया गया और जीवित लोगों को मृत घोषित किया गया, हमेशा सही किया जा सकता है, क्योंकि यह केवल एक मसौदा सूची है। पीठ ने चुनाव आयोग से कहा कि वह तथ्यों और आंकड़ों के साथ तैयार रहे, क्योंकि कोर्ट प्रक्रिया से पहले मतदाताओं की संख्या, पहले और अब मृतकों की संख्या और अन्य प्रासंगिक विवरणों पर सवाल तो उठाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।